Today's Poem – 20.06.2014

तुम आपस में रूहानी भाई-भाई हो

करते साथ में पढ़ाई हो

तुम्हारा एक-दो से अति प्यार होना

कभी भी नहीं लड़ना-झगड़ना

जो श्रीमत पर सारे विश्व का कल्याण करते

जो फूल बने हैं, कभी भी किसी को काँटा नहीं लगाते

आपस में बहुत-बहुत प्यार से रहते, कभी नहीं रुसते

ऐसे बच्चे बाप को बहुत-बहुत प्यारे लगते

जो देह-अभिमान में आकर आपस में लड़ते लून-पानी होते

वह बाप की इज्जत गंवाते

किसी भी चीज़ में लोभ नहीं रखना

स्वदर्शन चक्रधारी होकर रहना

बाप से चतुराई नहीं करना

अपनी महसूसता शक्ति को बढ़ाना

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!